भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3027 का उत्तर

चेंगलपट्टू-ममल्लापुरम रेलवे परियोजना

3027. श्री वी. वैथिलिंगम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार ने चेंगलपट्टू-ममल्लापुरम रेल परियोजना की संरेखण आवश्यकताओं, भूमि अधिग्रहण सहायता और लागत में भागीदारी के पहलुओं के संबंध में तमिलनाडु और पुडुचेरी की सरकारों के साथ परामर्श किया है; और

(ख) यदि हां, तो समन्वय बैठकों, संस्थागत तंत्रों और सरकार द्वारा शुरू की गई अनुवर्ती कार्रवाइयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस परियोजना के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले प्रस्तावित सहयोगात्मक कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): से (ग): चेंगलपट्टु, चेन्नै-विल्लुपुरम मार्ग पर एक मौजूदा स्टेशन है। चेंगलपट्टु जंक्शन से ममल्लापुरम लगभग 27 कि.मी. दूर है जो शहर और आसपास के क्षेत्र के लिए परिवहन केंद्र के रूप में कार्य करता है।

वर्ष 2014 में चेंगलपट्टू-ममल्लापुरम नई लाइन का सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण के अनुसार परियोजना का यातायात पर्वानुमान कम हैं।

परियोजना की स्वीकृति हेतु संबंधित राज्य सरकारों समेत विभिन्न हितधारकों से परामर्श और अपेक्षित अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होता है। चूंकि

परियोजनाओं की स्वीकृति देना सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, अतः कोई सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

<u>तमिलनाडु:</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	6,626 करोड़ रुपए (7.5 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 परियोजनाएं (9 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इनका सारांश निम्नलिखित है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3471
दोहरीकरण/बहुपथन	3	140	37	2783
कुल	15	1,700	665	7,591

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पलानी-पोलाची आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोलाची-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350

3	पोलाची-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	31
10	तंजावूर-पोनमलाई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
11	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
12	चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर)	168
13	चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
14	ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
15	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू-तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
16	सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
17	मदुरै - मनियाची-तूतीकोरिन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
18	मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
19	चेन्नै बीच- चेन्नै एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272
20	कारैक्काल - पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर)	373
21	कारैक्काल पोर्ट से उत्तरी छोर बंदरगाह तक संपर्कता (1 किलोमीटर)	18

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली कुछ परियोजनाएँ, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	तिण्डिवनम-नगरी नई लाइन (184 किलोमीटर)	3631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	नागपट्टिनम - तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर)	742
4	तिरूवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3785
5	अराक्कोनम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 किलोमीटर)	98
6	पेरम्बूर - अम्बाटुर पांचवीं और छठी लाइन (6 किलोमीटर)	178

7	इरुगुर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	277
8	तांबरम-चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 किलोमीटर)	757
9	अत्तिपट्टू-गूम्मिडिपूण्डी तीसरी और चौथी लाइन (23 किलोमीटर)	375
10	तिरुपति-पाकला-कटपडी दोहरीकरण (105 किलोमीटर)	1332
11	तिण्डिवनम-गिंगी-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	1400
12	अत्तिपट्टु - पुत्तूर नई लाइन (88 किलोमीटर)	1700
13	महाबलीपुरम नई लाइन (179 किलोमीटर) के रास्ते चेन्नै-कडलूर	2670

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली कुल 2,478 कि.मी. लंबाई वाले 29 सर्वेक्षण (06 नई लाइन और 23 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ मुख्य परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिण्डिवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अत्तिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	92	45	47

4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम - धनुषकोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना का शिलान्यास 01.03.2019 को किया गया था। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं की जा सकी है क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण शुरू नहीं किया गया है।

भारत सरकार इस परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, तथापि इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम छोर संपर्कता
- मिसिंग लिंकों का संयोजन और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्द्धन
- राज्य सरकारों/केन्द्रीय मंत्रालयों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां

- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******